

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीगुरुपरनपुराधीशाय श्रीकृष्णाय परब्रह्मणे नमः

श्री मेल्लडुर् नारायणभट्टतिरेः कृतिषु
॥ श्रीमन्नारायणीये त्र्यशीतितमं दशकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

শ্রীঃ

শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ

শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায নমঃ

॥ শ্রীমন্নারাযণীযে ত্র্যশীতিতমং দশকম্ ॥

পৌণ্ড্রকরধরণনং, কাশীপুরিদাহরণনং, রিদিদরধরণনং,
লক্ষণাস্বয়ংররং চ

রামেহথ গোকুলগতে প্রমদাপ্রসক্তে

হুতানুপেতযমুনাদমনে মদাক্কে।

স্বৈরং সমারমতি সেরকরাদমূঢ়ো

দুতং ন্যযুভক্ত তর পৌণ্ড্রকরাসুদেরঃ ॥ 83.1 ॥

নারাযণোহহমরতীর্ণ ইহাস্মি ভূমৌ

ধৎসে কিল ংরমপি মামকলক্ষণানি।

উৎসৃজ্য তানি শরণং ব্রজ মামিতি ংরাং

দুতো জগাদ সকলৈর্হসিতঃ সভাযাম্ ॥ 83.2 ॥

দুতেহথ যাতরতি যাদরসৈনিকৈস্তুং

যাতো দদর্শিথ রপুঃ কিল পৌণ্ড্রকীয়ম্।

তাপেন রক্ষসি কৃতাক্ষমনল্লমূল্য -

শ্রীকৌস্তুভং মকরকুণ্ডলপীতচেলম্ ॥ 83.3 ॥

কালাযসং নিজসুদর্শনমস্যতোহস্য

কালানলোৎকরকিরেণ সুদর্শনেন।

শীর্ষং চকর্তিথ মমর্দিথ চাস্য সেনাং

তন্নিত্রকাশিপশিরোহপি চকর্থ কাশ্যাম্ ॥ 83.4 ॥

জাল্যেন বালকগিরাহপি কিলাহমের

শ্রীরাসুদের ইতি রুচমতিশ্চিরং সঃ।

सायुज्यमेरुं भ्रूदक्याधिया गतोहभूः
को नाम कस्य सुकृतं कथमित्यरेयां ॥ 83.5 ॥

काशीश्वरस्य तनयोहथ सुदक्षिणाथ्यः
शर्वं प्रपूज्य भ्रूते रिहिताभिचारः।
कृत्यानलं कमपि वाणरणातिभीते -
भूतेः कथञ्चन भूतेः सममभ्यमुञ्चं ॥ 83.6 ॥

तालप्रमाणचरणामथिलं दहन्तीं
कृत्यां रिलोक्य चकितैः कथितोहपि पौरैः।
द्यूतोऽसरे किमपि नो चलितो रिभो ंरं
पाश्वरसुमाशु रिससर्जिथ कालचक्रम् ॥ 83.7 ॥

अभ्यापतत्यमितधाम्नि भ्रून्महास्त्रे
हा हेति रिद्रुतरती खलु घोरकृत्या।
रोषां सुदक्षिणमदक्षिणचेष्टितं तं
पुण्णेष चक्रमपि काशिपुरीमधाम्नीं ॥ 83.8 ॥

स खलु रिरिदो रम्भोघाते कृतोपकृतिः पुरा
तर तु कलया मृत्युं प्राप्नुं तदा खलतां गतः।
नरकसचिरो देशक्लेशं सृजन् नगराञ्जिके
ऋतिति हलिना युध्यन्द्वा पपात तलाहतः ॥ 83.9 ॥

साम्भं कौरव्यपुत्रीहरणं नियमितं सान्धुनार्थी कुरूणां
यातस्तद्वाक्यरोषोद्धृतकरिनगरो मोचयामास रामः।
ते घात्याः पाण्डुरैरिति यदुपतनां नामुचस्त्रुं तदानीं
तं ंरां दुर्वोधलीलं परनपुरपते तापशास्त्रे

निषेरे ॥ 83.10 ॥

॥ इति श्रीमन्नारायणीये अश्रीतितमं दशकं समाप्तम् ॥